

తెలుగు మొఘలులు

గ్రంథకర్త: శే.మారుతి ప్రభాకరశాస్త్రి

తెలుగుదేశము, తెలుగుసంప్రదాయములు, తెలుగుభాష అవతరించిన విషయము, తెలుగు జేటదేశము, తెలుగు కవిత్వాపారమ్యము గా ప్రఖ్యాతి గాంచిన ముఖ్యములును ప్రఖ్యాతిగాల సాహిత్యకృత్తీ ఇందులో మా ద్విధించి యున్నది. వెల రూ.2/- తపాఖరణము 0.7-0.

ఆంధ్రప్రదేశ్ లో మాటలు,
తపాలా, టి. 212, నరసాను.

అ అ | పుట్టిన వి రింపింప

3	2	1	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible]

ଦିଗ୍‌ଗମ୍ଭୀର	୧୯୫୧	୧-୫-୫୫
-------------	------	--------

Edited, Printed & Published by S. Sambhu Prasad at the Andhra Patrika Press, No 7 Thambu Chetty St. G. T. Madras.